दंड

Adelheid Marie Bwire

Melany Pietersen

Nandani

Hindi

Level 2

एक दिन, माँ को बहुत सारे फल मिले।

हमने पूछा “क्या हम कुछ फल ले सकते हैं?” माँ ने कहा “हम फल आज रात में खायेंगे”।

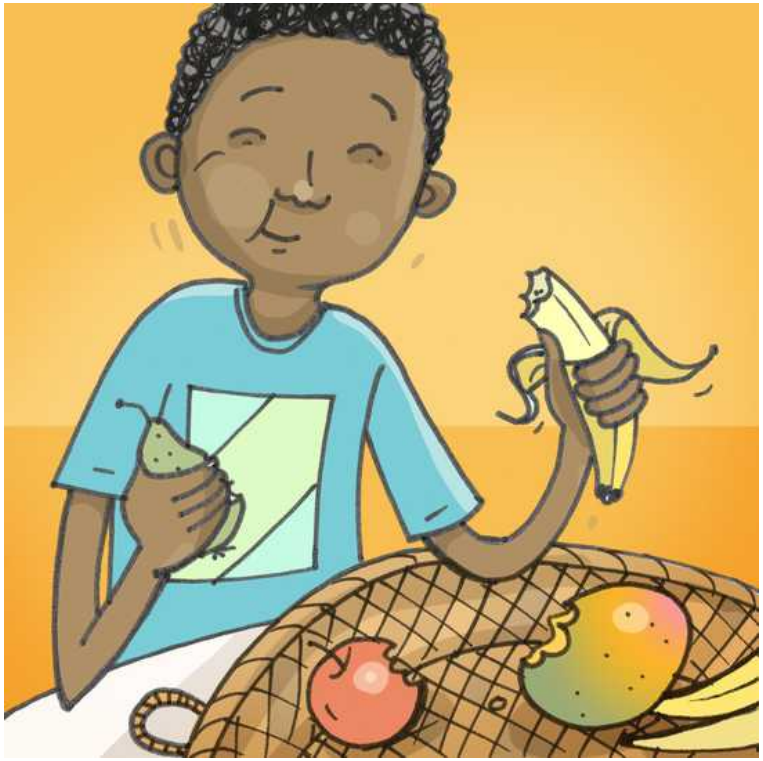

मेरा भाई रहीम लालची है। उसने सारे फल चखे। उसमें से बहुत सारे खा लिए।

“देखो रहीम ने क्या किया!” मेरा छोटा भाई चिल्लाया। “रहीम बदमाश और स्वार्थी है” मैंने कहा।

माँ रहीम पर नाराज़ हुईं।

हम भी रहीम से नाराज़ हैं। पर रहीम को कोई अफ़सोस नहीं है।

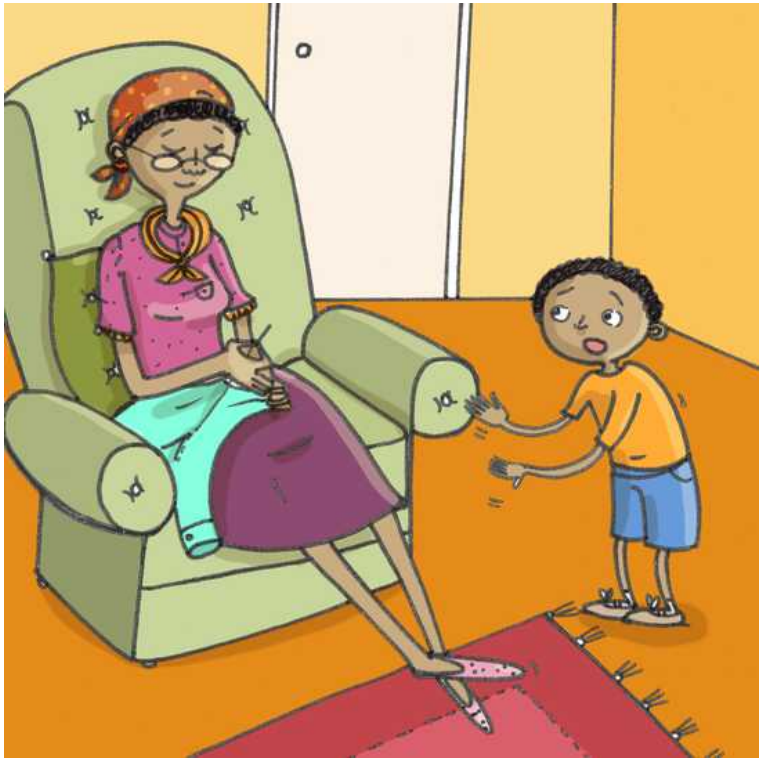

“आप रहीम को दंड नहीं देंगी?” छोटे भाई ने पूछा।

“रहीम, तुमको जल्द ही अफ़सोस होगा”, माँ ने चेतावनी दी।

रहीम बीमार महसूस करने लगा।

“मेरे पेट में बहुत दर्द हो रहा है”, रहीम ने धीरे से कहा।

माँ जानती थी कि ये होगा। फल रहीम को दंड देंगे।

बाद में, रहीम ने हम से माफ़ी माँगी। “मैं कभी भी इतना लालच नहीं करूँगा,” उसने वचन दिया। और हम सबने उस पर भरोसा कर लिया।

Storybooks Himalaya

global-asp.github.io/storybooks-himalaya

दंड

Written by: Adelheid Marie Bwire
Illustrated by: Melany Pietersen
Translated by: Nandani

This story originates from the African Storybook (africanstorybook.org) and is brought to you by Storybooks Himalaya in an effort to provide children's stories in Himalaya's many languages.

This work is licensed under a Creative Commons Attribution 3.0 International License.